हैजा का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भिंड ज़िले के फूप कस्बे में सहसा** [**हैजा संक्रमण**](https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cholera-outbreak-1) से **आमजनों में दहशत** फैल गई, जिसके परिणामस्वरूप कथित तौर पर तीन लोगों की मौत हो गई और कम-से-कम 70 लोग दूषित पानी पीने से बीमार पड़ गए।

मुख्य बिंदु:

- हैजा, एक **जल जनित बीमारी** है **जो मुख्य रूप से विब्रियो कोलेरा बैक्टीरिया स्ट्रेन O1 और O139 के कारण होती है,** जो विश्व भर में एक बहुत बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है।
  - स्ट्रेन O1 प्रकोप का प्रमुख कारण है, O139 की घटनाएँ यदा-कदा होती हैं और अधिकतर एशिया तक ही सीमित हैं।
- यह **आँत के संक्रमण के कारण होने वाली एक तीव्र दस्त रोग** है।
- इसका **संक्रमण प्रायः हल्का या बिना लक्षणों वाला** होता है, लेकिन कभी-कभी गंभीर हो सकता है।
- **लक्षणों में अत्यधिक दस्त, उल्टी/वमन, पैर में ऐंठन** शामिल हैं।
- एक व्यक्ति **हैजा के जीवाणु से दूषित जल पीने या भोजन खाने से हैजा से संक्रमित** हो सकता है।
- यह बीमारी **उन क्षेत्रों में तेज़ी से फैल सकती है जहाँ सीवेज और पेय जल का अपर्याप्त उपचार** किया **जाता है।**
- वर्तमान में **तीन WHO प्री-क्वालिफाइड ओरल हैजा वैक्सीन (OCV) हैं: डुकोरल, शांचोल** और **यूविकोल-प्लस।** तीनों वैक्सीन को पूर्ण सुरक्षा के लिये दो खुराक की आवश्यकता होती है। वर्ष 2030 तक के लिये एक वैश्विक रोडमैप, जिसका **लक्ष्य हैजा से होने वाली मौतों को 90% तक कम करना है**, वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cholera-outbreak-1